Gyanshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
© 2022 GISRRJ | Volume 5 | Issue 4 | ISSN : 2582-0095

ई स्वास्थ्य सेवाओं से मध्यप्रदेश के विपणन पर सकारात्मक प्रभाव

शिवालिका सोहगौरा, डॉ. एम. यू. सिद्दीकी

प्राध्यापक वाणिज्य महाविद्यालय, बैढ़न जिला सिंगरौली (म.प्र.)

Article Info
Volume 5, Issue 4
Page Number : 24-26

Publication Issue :
July-August-2022

Article History
Accepted : 20 July 2022
Published : 04 August 2022

सारांश :–

मध्यप्रदेश में आधुनिकता के आज के दौर में व्यापार एक महती भूमिका प्रदेश के विकास में अति आवश्यक बन गया है आज के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कोरोना जैसी महामारी होने के कारण पूरा प्रदेश में आत्मनिर्भर भारत के अतर्गत प्रदेश के व्यक्तियों में एक स्वरोजगार की धारणा विकसित हो रही है जिसके अन्तर्गत यह विचारधारा सामने आ रही है कि व्यक्ति अन्य प्रदेशों में रोजगार न प्राप्त करके बल्कि प्रदेश में एवं स्वंय के घर पर रहकर व्यापार स्थापित करके प्रदेश के विकास में अपनी भूमिका निभाकर वृद्धि दर को बढ़ाना एवं उन्नति के नये अवसरों का लाभ उठाना होगा। आज जैसे ई–कामर्स और ई–कारोबार गतिविधियों के साथ–साथ ई–स्वास्थ्य सेवाओं का नवीन तकनीक विकसित करके एक स्वास्थ्य के क्षेत्र में विपणनकरने का बड़ा अवसर युवाओं को प्राप्त होगा। भारत में ई–फार्मेसी अभी शुरूआती दौर में है, लेकिन एक वर्तमान रिपोर्ट के मुताबिक 2025 तक यह बढ़कर 42 अरब डॉलर तक पहुँच जाये का अनुमान है। भारत में स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी तकनीक का बाजार 2025 तक 21.3 अरब डॉलर तक पहुँच जाएगा और स्वास्थ्य सेवा से जुड़े तकनीक के वैश्विक बाजार में इसकी हिस्सेदारी 3.2 प्रतिशत होगी भारत में फिलहाल स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी 133 स्टार्टअप कंपनिया मौजूद हैं और लॉकडाउन के दौरान इनकी माँग में अच्छी खासी बढ़ोत्तरी देखने को मिली।

परिचय :–

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (मध्यप्रदेश) के प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री प्रभुराम चौधरी द्वारा देश के स्वास्थ्य सेवाओं का प्रयोग करके बेहतर देश में प्रदेश का स्थान अग्रणी राज्यों में स्थापित करने का संकल्प लेकर ई–स्वास्थ्य सेवाओं का प्रयोग करके युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर बनाने की जिम्मेदारी ली है। विशेषज्ञों के मुताबिक ई–स्वास्थ्यको दवा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, कारोबार और आधुनिक तकनीक से जुड़ा हुआ क्षेत्र माना जा सकता है। ई–स्वास्थ्य से आशय इलेक्ट्रानिक सूचना और संचार की नई तकनीकों का इस्तेमाल कर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना है। वैश्विक स्तर पर डिजिटल स्वास्थ्य या ई–स्वास्थ्य के बाजार में जबर्दस्त बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। यह बढ़ोत्तरी माँग और आपूर्ति, दोनों स्तरों पर रही। साल 2019–2025 के दौरान, स्वास्थ्य क्षेत्र के डिजिटल बाजार में 29.6 प्रतिशत CAGR (चक्रवृद्धि ब्याज दर) की दर से बढ़ोत्तरी की उम्मीद है। साल 2018 में स्वास्थ्य क्षेत्र का डिजिटल बाजार 86.4 अरब डॉलर था जिसके 2025 तक 500 अरब डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है। शोध और बाजार के अनुमानों के मुताबिक 2023 तक वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य क्षेत्र का डिजिटल बाजार 223.7 अरब डॉलर तक पहुँच जाएगा। ई–स्वास्थ्य सेवाओं के ढ़ाँचे के तहत स्वास्थ्यकर्मी और मरीज सीधे तौर पर एक दूसरे से सम्पर्क में नहीं होते हैं। इस प्रणाली में इलेक्ट्रानिक माध्यामों के जरिए स्वास्थ्य और मरीज का संवाद होता है इसमे अलग–अलग तरह की सुविधाएँ होती है। जैसे–

Copyright: © the author(s), publisher and licensee Technoscience Academy. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution Non-Commercial License, which permits unrestricted non-commercial use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited

टेलीमेडिसिन, एम हेल्थ (मोबाइल हेल्थ), इलेक्ट्रानिक हेल्थ रिकार्ड (EHR), बीमरेबल (पहनने लायक) सेंसर, इनका व्यापार तेजी से बढ़ा जिसके कारण विपणन में ई–स्वास्थ्य सेवा का मुख्य भूमिका रही है।

शोध का उद्देश्य :–

(1) मध्यप्रदेश के विपणन में ई–स्वास्थ्य सेवाओं को परिचित कराना।
(2) विपणन से जुड़े प्रमुख चिंतकों और लेखकों के विचार से अवगत कराना।
(3) ई–स्वास्थ्य सेवाओं के विकास के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना।
(4) म.प्र. के विकास दर में ई–स्वास्थ्य सेवाओं की भागीदारी को बताना।
(5) ई–स्वास्थ्य से प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव को बताना।

शोध प्रविधि :–

ई–स्वास्थ्य सेवाओं से विपणन के बारे में मध्यप्रदेश के व्यापार में भागीदारी सुनिश्चित करके प्रदेश के विकास में योगदान करना। शोध पत्र में प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों प्रकार के आकड़ों का प्रयोग किया है तथा प्राथमिक तथ्य मुख्यतः आँकड़ों के संग्रहित करने एवं द्वितीय तथ्य प्रकाशन, विभिन्न पत्र पत्रिकाओं एवं छपेलेख को आधार मानकर शोध पत्र तैयार किया गया।

अवलोकन :–

ई– स्वास्थ्य के अन्तर्गत टेलीमेडिसिन को टेली हेल्थ के तौर पर भी जाना जाता है। इसके तहत मोबाइल एवं लैपटॉप टैब का प्रयोग करके मरीज केन्द्र से ही स्वास्थ्य सेवाएँ (जाँच और सलाह) मुहैया करायी जाती है। इसी प्रकार मोबाइल हेल्थ (सम हेल्थ) के तहत स्मार्टफोन का इस्तेमाल कर लोगों को इलाज संबंधी सलाह दी जाती है। EHR के तहत मरीजों से जुड़ी जानकारी को इलेक्ट्रानिक तरीके से सुरक्षित रखा जाता है। और इसे अलग–अलग फार्मेट के माध्यम से एक्सेस किया जाता है। वीयरबेल सेंसर आपने स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराते हैं। इससे किसी व्यक्ति की हार्ट बीट, नीद की गुणवत्ता, ऑक्सीजन स्तर आदि पर नजर रखी जा सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार ई–स्वास्थ्य से जुड़े तीन मुख्य क्षेत्र है– (1) स्वास्थ्यकर्मियों और मरीजों दोनों को स्वास्थ्य संबंधी सूचनाएँ और रिकार्ड उपलब्ध कराना (2) सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी आधारभूत संरचना को बेहतर बनाने के लिए सूचना तकनीक की ताकत और ई–कामर्स प्लेट फार्म का उपयोग करना। (3) स्वास्थ्य सम्बन्धी प्रणलियों में ई– कामर्स और ई–कारोबार गतिविधियों का उपयोग करना। विश्वभर में कोरोना महामारी का प्रकोप फैलने के बाद ई.स्वास्थ्य सेवाएँ काफी उपयोगी सावित हो रही है। इस महामारी की वजह से जहाँ पूरी दुनिया में लॉकडाउन चल रहा था वहीं उसी दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की भी जरूरत भी बढ़ रही थी। ऐसी स्थिति में ईटरनटे और दूरसंचार सेवाओं के इस्तेमाल के जरिए स्वास्थ्य सेवा की माँग में बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। कई देशों ने तात्कालिक आवश्यकता को देखते हुए निजी कंपनियों को ऐसे टूल बनाने में सहायता की, जिसके माध्यम से मरीजों की पहचान करने उसकी बीमारी की पहचान करने, उसके बीमारी के स्त्रोत का पता लगाने आदि में सहायता मिली। इन तकनीकों में चहे रा पहचानने वाला कैमरा, ड्रोन और सेंसर शामिल है, जिनसे किसी व्यक्ति के शरीर के ताप मा. और उनके स्वास्थ्य को स्थिति को पता लगाना संभव होता है। बाजार में शोध से पुरी संस्था 'ग्लोबल मार्केट इनसाइटस' के मुताबिक साल 2024 तक स्वास्थ्य क्षेत्र का डिजिटल बाजार 379 अरब डॉलर पर पहुँच जायेगा, जबकि ट्राँसपेरेंसी मार्केट रिसर्च के अनुसार माल 2025 तक स्वास्थ्य क्षेत्र का डिजिटल बाजार 536.6 अरब डॉलर तक पहुँच जाएगा।

निष्कर्षः–

मध्यप्रदेश में ई–स्वास्थ्य सेवाओं के कारण वर्तमान में मेडिकल व्यापार में कमी विपणन की नीतियों के काफी परिवर्तन देखने को मिला है जैसा कि देखा गया कि डॉक्टरों और मरीजों का सीधा सम्पर्कन होने से बहुत अधिक तकनीक विस्तार किया गया यह देखा गया कि डिजिटल सेवाओं या ई–स्वास्थ्य के कई फायदे सामने आयें जैसे बेहतर सेवा–स्वास्थ्य क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर

पेशेवर स्वारूप कर्मी बेहतर तरीके से कम कर सकते है। इलाज की लागत में कमी, सशक्तीकरण ई–स्वास्थ्य सेवाओं के कारण ग्राहकों और स्वास्थ्य कर्मीदोनों का सशक्तीकरण किया जा सका है। बेहतर संबंध और समानता, शिक्षा तथा जलद फैसलाकरना मुमकिन हुआ दुनिया भर मे कोरोना महामारी के बाद डिजिटल सेवाओं के प्रमुख सुझाव हुए जिसे म.प्र. के विपणन में ई–स्वास्थ्य की हिस्सेदारी पर्याप्त बढ़ी जैसे– स्मार्टफोन विगडाटा, वर्चुरल रिएलिटी, वीमरबेल (पहनने लायक) AIE, ब्लाकचेन इत्यादि सेवाओं का व्यापार बढ़ा है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय को पहल के तहत एक ऐसा कार्यक्रम शुरू किया गया जिसमें सूचना काल के जरिए मातत्व एवं प्रसव का देखभाल भी होने लगा। एक पुरान ''स्वास्थ्य ही धन है' और इस क्षेत्र में तकनीकी निवेश के एक बेहतरीन कदम बढ़ाकर बाजार का विस्तार हुआ है।

संर्न्भ ग्रन्थ सूची :–

1. योजना पत्रिका, फरवरी, 2022
2. कुरूक्षेत्र पत्रिका फरवरी 2022
3. एस. एन. ला, भारतीय अर्थव्यवस्था